मावुए क्या है? (व्यवस्थाविवरण 11:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

होम / होम /
मावुए क्या है? (व्यवस्थाविवरण 11:15)

मावुए क्या है? (व्यवस्थाविवरण 11:15)

प्रश्न: मावुए क्या है जैसा कि हम व्यवस्थाविवरण 11:15 में पढ़ते हैं? उत्तर: चलिए समझते हैं…

व्यवस्थाविवरण 11:15 कहता है:

“और मैं तुम्हारे मावुए में घास दूँगा जिससे तुम्हारे पशु चरेंगे,
और तुम भी खाने-पीने के लिए भरपूर रहोगे।”

“मावुए” का मतलब है “खेती के खेत”। एक खेत को “व्यू” कहते हैं और कई खेतों को “मावुए” कहा जाता है।

इसलिए जब लिखा है “मैं तुम्हारे मावुए में घास दूँगा”, इसका मतलब है: “मैं तुम्हारे खेतों में घास दूँगा।”

यह भगवान का वादा है इस्राएलियों के लिए, और यह वादा हमारे लिए भी है,

मावुए क्या है? (व्यवस्थाविवरण 11:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

यदि हम इसे स्वीकार करें।

आइए हम शुरुआत करें वर्स 13 से:

व्यवस्थाविवरण 11:13-15

“और यह होगा कि यदि तुम आज मेरे द्वारा दिए गए आदेशों को पूरी लगन
और दिल से पालन करोगे, यहोवा अपने परमेश्वर से प्रेम करोगे और
पूरे हृदय और आत्मा से उसकी सेवा करोगे,
14 तब मैं तुम्हारी भूमि में अपने समय पर वर्षा दूँगा—बरसात और मौसमी वर्षा—ताकि तुम अपनी अनाज, दाख और तेल की उपज पाओ।
15 और मैं तुम्हारे मावुए में घास दूँगा जिससे तुम्हारे पशु
चरेंगे, और तुम भी भरपूर रहोगे।”

इसी तरह का उल्लेख हमें अन्य शास्त्रों में भी मिलता है:
1 शमूएल 25:15 और 1 शमूएल 30:11

क्या आपने प्रभु यीशु मसीह को स्वीकार किया है?
अगर अभी तक नहीं, तो प्रिय मित्र, समझ लें कि पाप के जीवन में बढ़ते हुए जीते रहना हमारी आत्मा के लिए नुकसानदेह है।

मावुए क्या है? (व्यवस्थाविवरण 11:15)

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

इन अच्छी खबरों को दूसरों के साथ साझा करें।

यदि आप चाहते हैं कि जीवन में यीशु को अपनाने के लिए मार्गदर्शन मुफ्त में प्राप्त करें, तो नीचे दिए गए नंबरों पर हमसे संपर्क करें।

साथ ही, दैनिक शिक्षाओं के लिए हमारे व्हाट्सएप चैनल से जुड़ें >> https://whatsapp.com/channel/0029VaBVhuA3WHTbKoz8jx10

संपर्क नंबर: +255693036618 या +255789001312

भगवान आपका भला करे।

Share on:
WhatsApp